भगवान नित्यानन्द की सिखावनियाँ

'मन्दिर में रहो' सत्संग
भगवान नित्यानन्द की सौर पुण्यतिथि के सम्मान में
८ अगस्त, २०२०

अरे जीवात्मा, अन्तरात्मा के सौन्दर्य को देख, वह कितना मधुर, कैसा सुखमय, कैसा आनन्दमय है! उस अन्तर-समुद्र का एक बिन्दु भी तुझे बाह्य जगत में नहीं मिल सकता। इसलिए ध्यान कर, ध्यान कर!

अपने लक्ष्य को निर्धारित कर, अपना धर्म निभाओ।

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।